nt>

Title: Regarding killings of the Hindi speaking people in Assam by the militants.

SHRI A.F. GOLAM OSMANI (BARPETA): Sir, an incident that occurred last night in Bongaigaon, Assam, was the latest in the series of this type of mass killings that are going on for the last three months. In that single incident, 18 people were killed and 24 persons were grievously injured. This type of massacre involves not just one group of people but the Bengali Hindus, the Muslims and the Biharis. These are the people who are targeted. In the last three months, as many as six mass killings of this type have taken place. Repeatedly, attention of the State Government was drawn to this but there is no visible effect. In the background of such mass killings, the Home Minister must enlighten the House about the gravity of the situation, which has threatened peace and tranquillity of a large section of the society. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: All of you can join him.

...(*Interruptions*)

SHRI SONTOSH MOHAN DEV (SILCHAR): Sir, I fully endorse what my colleague has just now said. We had drawn the attention of the House to this fact earlier also and Speaker, Sir, you had also agreed to have a discussion on it. The other day, the hon. Minister also assured us in the House to do something in this regard. I would like to have a positive response from the Government today because such incidents have not stopped. It has become a fashion in Delhi to say that Assam is going in the way of Kashmir. We should work together to solve the problem. A positive action was taken only once when Shri Chandler Shekhar was the Prime Minister.....(*Interruptions*)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (GUNA): Sir, the Home Minister must make a statement on this because such incidents are happening every day.

श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल कई बार इस सदन में उठा है। रोज अखबारों में खबर आती है कि असम में प्रतिदिन हत्याएं हो रही हैं। ऐसा लगता है कि असम सरकार इस स्थिति को सम्भालने में पूरी तरह असमर्थ है। दुख की बात यह है कि बार-बार यह सवाल सदन में उठाने के बावजूद केन्द्रीय सरकार की ओर से कोई ऐसी पहल नहीं की गई, जिससे वहां की स्थिति में सुधार हो सके। मैं मानता हूं कि यह सवाल राज्य सरकार का है, लेकिन राज्य सरकार को सलाह देना, आवश्यकता पड़ने पर चेतावनी देना और उससे भी स्थिति न सम्भले तो उसके ऊपर कदम उठाना, यह जिम्मेदारी केन्द्रीय सरकार की हो जाती है। क्योंकि लोगों की सुरक्षा का सवाल राज्य का पहला कर्त्तव्य है। यह कर्त्तव्य पालन करने में असम सरकार असमर्थ है और केन्द्रीय सरकार उस ओर निगाह नहीं ले जाती, तो अध्यक्ष महोदय, मैं आपके निवेदन करूंगा कि केन्द्रीय सरकार को आप इस बात के लिए तम्बी दें कि वह इस सम्बन्ध में उठाए गए कदम की सूचना इस सदन को दे। जिससे लोगों को विश्वास हो सके कि उनके जीवन की सुरक्षा के बारे में यह सदन चिंतित है।

MR. SPEAKER: Shri Bandyopadhyay, you can also associate with him.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST): Sir, I have something else to submit. My constituency in Calcutta is full of Hindi-speaking people. I would like to submit that Hindi-speaking people, in particular, are being killed at random by the extremists. It is not that we are alleging the involvement of State Government in it. In the incident that occurred yesterday, out of 18 people massacred one was a Bengali. What is happening is, people of *Marwari* community, who dominates trade and industry to a certain extent, are being murdered at random. So, at this moment, it is necessary that the Central Government should extend its cooperation to the State Government to resist these extremists so that the Hindi-speaking people of Assam feel protected.

MR. SPEAKER: The Minister is replying.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, the Minister is replying.

श्री राजेन गोहेन (नौगांव) : आसाम मे जो हो रहा है, यह चिंता का विाय है लेकिन एक बात की तरफ हाउस को ध्यान देना चाहिए कि एक्सट्रीमिस्ट्स के साथ किस-किस पोलिटिकल पार्टी का संबंध है, यह भी जांच करनी बहुत जरूरी है। इस विाय पर हाउस को ध्यान देना चाहिए।â€¦(व्यवधान)

श्री श्रीचन्द कृपलानी (चित्तौड़गढ़) : आसाम में जो कुछ भी हो रहा है, अधिकतर राजस्थान के मारवाड़ियों के साथ हो रहा है, उनके सारे परिवार चिंतित हैं और वहां से वे अपना घरबार छोड़-छोड़कर भाग कर आ रहे हैं। उनको पकड़कर ले जा रहे हैं।â€¦(व्यवधान) उनसे फिरौतियां मांगी जा रही हैं।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : अध्यक्ष जी, पिछले सप्ताह भी आसाम में कुछ ऐसी घटनाओं के कारण यह विाय उठा था और मैंने सदन को कहा था कि मैं माननीय गृह मंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाऊंगा। मैंने माननीय गृह मंत्री जी से इस संबंध में बात भी की थी। दुर्भाग्यवश फिर उसी प्रकार की घटना हुई है और माननीय सदस्यों ने इस विाय को यहां उठाया है। संतोा मोहन देव जी, चन्द्रशेखर जी और सुदीप जी ने भी इस बारे में यहां कहा है। अगर आप चाहें कि इस विाय पर किसी प्रकार की चर्चा करनी हो तो उसमें सरकार को कोई आपत्ति नहीं है और अगर आप चाहें तो माननीय गृह मंत्री से मैं

आग्रह करूंगा कि वह सोमवार को सदन उठने से पहले सदन के सामने आकर एक वक्तव्य दें, जिसके आधार पर आगे विचार करना है या नहीं करना है, यह आप तय कर सकते हैं। चूंकि आज शुक्रवार है और माननीय गृह मंत्री जी से आज जानकारी लेकर सदन के सामने आज ही आना मुश्किल होगा, इसलिए अगर सदन की और आपकी अनुमति हो तो सोमवार को सदन उठने से पहले माननीय गृह मंत्री जी ने इस बारे में क्या कदम उठाया है या फिर क्या कदम उठा सकते हैं, यह स्पट जानकारी वह सदन को देंगे।â€¦(व्यवधान)